www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 22 | जौनपुर, सोमवार, 07 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बिहार में बाढ़ से हाहाकार, 12 जिलों में 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

पटना, (एजेंसी)। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 12 जिलों के 22.42 लाख से अधिक लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। पटना में गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर को पार कर गया है, जबकि केंद्रीय जल आयोग ने कई इलाकों में अत्यधिक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बिहार में लगातार बढ़ते जलस्तर ने कई जिलों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पटना, सारण, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया और कटिहार समेत कई क्षेत्रों में गांव और निचले इलाके जलमग्न हैं। राज्य के 12 जिलों के 70 प्रखंडों और 368 पंचायतों की करीब 22.42 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। म्ततवत सवंकपदह ंके. गंगा के अलावा कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन, बागमती और घाघरा नदियों का जलस्तर भी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बताया गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया है। गांधी घाट पर गंगा ने छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर तक पहुंच गया, जो 2016 में दर्ज 50.52 मीटर के रिकॉर्ड से अधिक है। जलस्तर बढ़ने से पटना सिटी के कई मोहल्लों में पानी पहुंच गया है। पुनपुन नदी के आसपास के क्षेत्रों में भी कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। हाथीदह में भी गंगा लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यहां खतरे का निशान 41.76 मीटर है, जबकि जलस्तर 43.52 मीटर दर्ज किया गया है। ब्ॅब् ने कई जिलों के लिए जारी की गंभीर चेतावनी केंद्रीय जल आयोग (ब्ॅब्) ने पटना जिले के गांधीघाट, हाथीदह और पंडारक स्थित फ्लड फोरकास्टिंग स्टेशनों पर अत्यधिक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। आयोग के मुताबिक, 8 अगस्त तक बक्सर, सारण, वैशाली, खगड़िया, मुंगेर और भागलपुर में नदी का जलस्तर स्थिर रहने या बढ़ने की संभावना है। जल संसाधन विभाग ने भी हाथीदह में गंगा के पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार करने की आशंका जताई है।

पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर भारत-फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों का नया स्तंभ - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में भव्य स्वामीनारायण हिंदू मंदिर के लोकार्पण को भारत और फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों में नए युग का स्तंभ बताया। रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह अवसर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि ठ।च्ै स्वामीनारायण संस्था के माध्यम से दुनिया के अलग–अलग देशों में मंदिरों के निर्माण के साथ भारत के प्राचीन विचारों, आध्यात्मिक परंपराओं और मानवीय मूल्यों की पहुंच भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर प्रमुख स्वामी महाराज का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने भारत के प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वैभव के पुनर्जागरण का अभियान शुरू किया था, जिसका

प्रकाश आज यूरोप समेत पूरी दुनिया में फैल रहा है। उन्होंने 2024 में अबू धाबी में भव्य मंदिर के लोकार्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर का निर्माण संतों की संकल्प शक्ति की निरंतरता का प्रमाण है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ठ।च्ै के माध्यम से जब अलग–अलग देशों में मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होती है, तो वहां भारत के प्राचीन विचार और मानवीय मूल्य भी साथ पहुंचते हैं। भारत का विचार 'समानं मनः सह चित्तमेषाम्' की भावना पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि हमारे मन समान हों और हमारे हृदय आपस में जुड़े हों। उन्होंने कहा कि पेरिस में बना यह भव्य मंदिर फ्रांस की विविधता को समृद्ध करने के साथ भारत–फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों को भी नई ऊर्जा देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ दोनों देश स्पेशल ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में दोनों देश नई गति और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

हिंदू केवल व्यक्ति नहीं, परिवार, समाज और मानवता का प्रतिनिधि है – मोहन भागवत

लंदन, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ब्रिटेन की राजधानी लंदन में आयोजित श्एकता का जश्नश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू केवल एक व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह परिवार, समुदाय, समाज और पूरी मानवता से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू केवल प्रकृति की पूजा नहीं करता, बल्कि उससे प्रेम भी करता है और यही प्रेम एकता, चरित्र निर्माण और संघ की कार्यप्रणाली की आधारशिला है। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू चिंतन इस विचार पर आधारित है कि ष्अस्तित्व एक ही है, भले ही वह विविध रूपों में दिखाई देता हो।ष् उन्होंने कहा कि विविधताएं प्रकृति का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उन्हें स्वीकार करना तथा सम्मान देना ही हिंदू विचारधारा का मूल है। उन्होंने कहा कि यदि संघ को एक ही सिद्धांत में परिभाषित करना हो तो वह ष्अपनापनष् है। उनके अनुसार अपनापन सभी के प्रति शुद्ध और सात्विक प्रेम है, जो हिंदू का पारंपरिक स्वभाव है। उन्होंने कहा कि विविधताओं को अस्तित्व की एकता के अलग–अलग श्रृंगार के रूप में देखना चाहिए। भविष्य की पीढ़ी पर भरोसा जताते हुए मोहन भागवत ने कहा कि उन्हें नई पीढ़ी पर अधिक विश्वास है, क्योंकि उनमें दुनिया को बेहतर बनाने की इच्छा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लक्ष्य दीजिए, तरीका मत बताइए, वे सार्वभौमिक नैतिकता और समृद्धि के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर लेंगे। कार्यक्रम के दौरान ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं की निष्ठा पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए भागवत ने कहा कि इसमें कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कभी ऐसी स्थिति आती भी है तो ब्रिटिश हिंदुओं की निष्ठा ब्रिटेन के साथ होगी।

बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट में यूपी के सीएम ने मदद बांटी, गिरे हुए घरों के लिए चेक सौंपे

चित्रकूट, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट का एक दिन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई और जमीनी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री मंदाकिनी नदी की बाढ़ से प्रभावित सैकड़ों परिवारों से मिले, उनकी परेशानियों के बारे में पूछा और उन्हें राशन किट व राहत सामग्री भी बांटी। तत्काल मदद के तौर पर, सीएम आदित्यनाथ ने बाढ़ में घर गंवाने वाले तीन पीड़ितों को 1.2 लाख रुपए के चेक सौंपे। उन्होंने कुछ लाभार्थियों को जमीन आवंटन के प्रमाण–पत्र भी बांटे। म्ततवत सवंकपदह ंके. प्रशासन अभी सर्वे कर रहा है और जल्द ही अन्य प्रभावित लोगों को भी इसी तरह की मदद दी जाएगी। राहत सामग्री बांटते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रभावित व्यक्ति को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार समाज के हर वर्ग के प्रभावित लोगों को बिना किसी भेदभाव के हर संभव मदद देगी। सीएम आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बाढ़ से प्रभावित लोगों की परेशानी को समझने और राहत कार्यों की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया।

प्रियजनों को खोने वाले परिवारो के प्रति गहरी संवेदना – राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक श्एक्सश हैंडल से पोस्ट कर लिखा, ष्दिल्ली में एक इमारत गिरने की दुर्घटना से मुझे बहुत दुख पहुंचा है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। दरअसल, रविवार को दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में एक इमारत

अचानक भरभराकर गिर गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। मलबे में अभी भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। हादसे के बाद से ही राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। आधुनिक कैमरों और उपकरणों की मदद से मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। फंसे हुए लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए सिलेंडर अंदर भेजे गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं घटनास्थल दौरा किया। उनके साथ मंत्री कपिल मिश्रा, स्थानीय विधायक और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बचाव कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी दिल्ली की मुख्यमंत्री से बात कर हालात का जायजा लिया था और स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया था। उन्होंने एम्स नई दिल्ली और केंद्र सरकार के अस्पतालों को घायलों के इलाज के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

स्टार्टअप्स को लैब से बाजार तक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का माध्यम बनना चाहिए - डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत का तेजी से बढ़ता स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के टियर–2 और टियर–3 शहरों में मौजूद नवाचार क्षमता को पहचानने और उसे वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योग जगत तथा निवेशकों से जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि स्वदेशी तकनीकों को प्रयोगशालाओं से बाजार तक तेजी से पहुंचाया जा सके। कोलकाता में आयोजित छठे राइज कॉन्क्लेव 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि देश के 50 से 60 प्रतिशत

से अधिक स्टार्टअप अब छोटे शहरों और उभरते शहरी केंद्रों से संचालित हो रहे हैं। ऐसे में नवाचार को बढ़ावा देने की रणनीति भी इन्हीं क्षेत्रों को केंद्र में रखकर तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों के युवा नवोन्मेषक अब न केवल बड़े शहरों के उद्यमियों की बराबरी कर रहे हैं, बल्कि कई मामलों में उनसे बेहतर प्रदर्शन भी कर रहे हैं। इसलिए वैज्ञानिक संस्थानों और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की जिम्मेदारी है कि वे इन प्रतिभाओं तक पहुंचें, बजाय इसके कि उनसे स्थापित तकनीकी केंद्रों तक आने की अपेक्षा की जाए। डॉ. सिंह ने कहा कि राइज कॉन्क्लेव जैसे आयोजन स्टार्टअप, उद्योग जगत, शोधकर्ताओं, संभावित मार्गदर्शकों और सरकारी प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता के बीच मजबूत संबंध विकसित होते हैं और नई तकनीकों को व्यावसायिक रूप देने की प्रक्रिया तेज होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुसंधान का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक पत्रों और प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। शोध को उद्यमिता, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, व्यावसायीकरण और समाज के व्यापक उपयोग तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स को प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीकों को बाजार तक पहुंचाने के प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करना चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8 से 10 सितंबर तक श्रीलंका की यात्रा पर, कोलंबो में भारतीय प्रवासियों से करेंगे बातचीत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8 से 10 सितंबर, 2026 तक श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान, रक्षा मंत्री श्रीलंका के नेतृत्व के साथ विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श करेंगे और कोलंबो में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से बातचीत करेंगे। वह रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध और बहुआयामी साझेदारी है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग तथा सुदृढ़ जन–संबंधों पर आधारित है। द्विपक्षीय संबंधों को तब और मजबूती मिली जब भारत ने आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका की सहायता की और 2025 में आए चक्रवात दितवाह के बाद राहत कार्यों में अग्रणी देशों में से एक के रूप में सहायता प्रदान की। इससे भारत की 'पड़ोसी सर्वोपरि' नीति (छमपहीइवनतीववक थ्पतेज' चवसपबल) के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महासागर (क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण को बल मिला। रक्षा मंत्री की श्रीलंका यात्रा से पारस्परिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से मजबूत और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी, जिसमें एक मजबूत समुद्री और रक्षा साझेदारी भी शामिल है।

अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के

प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य आरोपियों के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने के संबंध में अपना फैसला टाल दिया। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाले की जांच के दायरे में लाया गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट, जिसे आदेश सुनाना था, ने फैसला स्थगित कर दिया है और अब संभवतः 10 सितंबर को फैसला सुनाएगा। ईडी का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए आईआरसीटीसी होटल घोटाले से उत्पन्न अपराध की आय के कथित मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है। जांच एजेंसी ने दावा किया है कि लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए 2004 से 2009 के बीच आईआरसीटीसी के होटलों के संचालन के लिए ठेके देने में अनियमितताएं की गईं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, होटल के रखरखाव के ठेके कथित तौर पर निर्धारित मानदंडों का पालन किए बिना आरजेडी सुप्रीमो के करीबी सहयोगियों से जुड़ी एक निजी कंपनी को दिए गए थे। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया है कि इसके बदले में लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों से कथित तौर पर जुड़ी एक बेनामी कंपनी के माध्यम से तीन एकड़ की प्रमुख भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इस मामले में आरोपी लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव के अलावा अन्य लोग भी शामिल हैं। इससे पहले, विशेष न्यायाधीश ने आरोपी व्यक्तियों और ईडी की ओर से पेश हुए वकीलों द्वारा दी गई विस्तृत दलीलों को सुनने के बाद आरोप तय करने के आदेश को सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव द्वारा दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं पर भी सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने उसी कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने के निर्देश देने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी है।

सीएम कार्यक्रम को लेकर डीएम, सीडीओ सहित लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड 4 के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

अयोध्या। 8 सितंबर मंगलवार को सुबह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आंगनवाड़ी के सुपरवाइजर कार्यत्रियों, सहायक कार्यत्रियों को सम्मानित करने के लिए शहर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आ रहे हैं।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आंगनबाड़ी योजनाओं से जुड़ी कई सौगात भी दे सकते हैं।बताते चले कि दोपहर 2:50 पर जीआईसी के मैदान पर बने अस्थाई हेलीपैड पर उनका उडन खटोला उतरेगा।जीआईसी में लगभग 4रू00 बजे तक वह मौजूद रहेंगे उसके बाद वह अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर से राम कथा पार्क हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां से हनुमानगढ़ी पर जाकर पूजा अर्चना करने के बाद राम जन्मभूमि मंदिर पर जाएंगे। तत्पश्चात शाम 5:00 बजे वह हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।जीआईसी में आयोजित आंगनबाड़ी सम्मान समारोह के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना उत्पन्न हो इसकी तैयारी पिछले एक सप्ताह से जोर–शोर से चल रही थी। बीच–बीच में तैयारी को लेकर जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी,सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह,लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड चार के अधिशाषी अभियंता एस बी सिंह सहायक अभियंता सत्येंद्र सिंह सहायक अभियंता शशांक पांडे के अलावा जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी भी बीच–बीच में निरीक्षण करते हुए दिखाई दे रहे थे।इन अधिकारियों के अलावा सभी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तैयारी के यहां पर हो रहे तैयारी को अंतिम रूप देने में लगे थे।कार्यक्रम के दौरान शहर में तथा अयोध्या धाम में किसी भी तरह की यातायात बाधित न हो और शहर वासियों को आने–जाने में किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए 8 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे से रूट डायवर्जन किया गया

है।इस संबंध में यातायात पुलिस विभाग नहीं बताया कि यह रूट डायवर्जन 8 सितंबर को दोपहर 12:30 से कार्यक्रम के अंत तक या फिर जब तक भीड़ पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हो जाती तब तक रहेगा।बताते चलें 8 सितंबर को आने वाले महिला आंगन कर्मियों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके बड़े स्तर पर वॉटरप्रूफ टेंट का निर्माण कराया जा रहा है।

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई

2001–20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा– समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है। बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर षबिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडियाष के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा– समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है। अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार एवं विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। श्राष्ट्रीय चौंपियन्त्र (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यतरू नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई। 2020 आते–आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010–11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिकध् सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है। यह स्थिति बताती है कि क्यों भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र वृद्धि दर हासिल करने के बावजूद आम जन की बुनियादी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

लालच भली बला – आत्मावलोकन

पहले की कही बातें एवं किवदंतियाँ आज भी प्रासंगिक हैं बस उसे अद्यतन किये जाने की देर है।एक परिपक्व इंसान और एक अपरिपक्व इंसान के फर्क को उसके व्यवहार द्वारा समझा जा सकता है। आज मुझे लगता है किसी भी मानव में लालच का होना बेहद आवश्यक है जो उसे विकास की तरफ अग्रसर करती है।लालच को हमारे शास्त्रों में एक मानवीय बुराई के रूप में माना गया है परंतु वर्तमान परिदृश्य में अगर हम अवलोकन करें तो पाते हैं की लालच का होना उतना ही जरूरी है जितना की एक जीवित व्यक्ति में आत्मा का होना।सत्ता पा जाने के बाद कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी अपने सरकार को खोना नहीं चाहती सत्ता पाने से पहले किये गए इसके वादे और इरादे धीरे धीरे काफूर होने लगते हैं क्या करें सत्ता होती ही ऐसी है , सत्ता में एक ऐसा चुम्बक है जिसमें कमीशन का लालच , रौब का लालच , हनक का लालच और मान प्रतिष्ठा सब कुछ शामिल है।लालच न होने पर सत्ता अच्छी नही लगती , काँटो का ताज लगती है सत्ता जिसमे दायित्व और

कर्तव्यबोध शामिल है।लालच एक औषधि भी है जो मनोबल को हमेशा ऊपर रखती है। शरीर के अंदर जो भी इलेक्ट्रोलाइट है उसको संतुलित करने का काम लालच करता है , लालच लोभ माया मोह सब एक दूसरे के पूरक है , लालच प्रचलित ज्यादा है इसलिए ये एक सटीक शब्द है जो इंसान के असली चरित्र को दर्शाने में मदद करती है।लालच चाटुकारों और चापलूसों की आत्मा ध् रूह है , चाटुकारों की कई प्रजातियां हमारे देश में पायी जाती है , चाटुकार न हो तो किसी पद को पाने की कोई अभिलाषा ही न रहे क्योंकि उसके द्वारा जो महिमामंडन किया जाता है उसके गिरफ्त में आया व्यक्ति उसी के वशीभूत अपने सारे कार्य करता है। उच्च पदस्थ लोगों को कहने के लिए चाटुकार और चापलूस पसंद नही आते पर वास्तव में बिना चाटुकारों , दरबारियों , विदूषकों के कोई भी उच्च पदस्थ व्यक्ति खुद को अधूरा महसूस करता है इसलिए चाटूकार तो बेहद जरूरी हैं उनके बिना किसी अधिकारी या मंत्री की महफिलें बेजान हैं। लालच हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तो संजीवनी के समान है चाहे देशी शराब हो या विदेशी शराब इसी के बिक्री के राजस्व से हमारी अर्थव्यवस्था आज 7. 8 जी डी पी पर है , इसपर विवाद भी है पर ये आंकड़े सरकारी हैं तो इसको औपचारिक रूप से बदला भी नही जा सकता।लालच न होने के कारण लकड़हारे को पहले उसकी लोहे की कुल्हाड़ी के साथ सोने चांदी हीरे जवाहरात वाली कुल्हाड़ी मिलती होगी अब ऐसा जोखिम कोई भला व्यक्ति नही कर सकता भले उसकी कोई कुल्हाड़ी न खोए पर उसे चाहिए तो सोने की ही कुल्हाड़ी। लालच आज शिक्षा में भी अनिवार्य हो चुकी है प्राथमिक , माध्यमिक और उच्च शिक्षा का ताना बाना ऐसा बना हुआ है की प्रधानाचार्य ध्प्राचार्य , प्रबन्धक ध् व्यवस्थापक समस्त प्रशासनिक पदों पर और ज्यादा और ज्यादा धनोपार्जन की होड़ लगी हुई है।नैतिक और अनैतिक सब समान हो चुके हैं , शिक्षालयों में अध्यापक और विद्यार्थी के अलावा ठेकेदार एक अति आवश्यक तत्व हो चुके हैं , ठेकेदारों के कारण ही शिक्षा व्यवस्था चल रही चाहे ठेके पर नियुक्त शिक्षक ही क्यों न हो जिनका हर साल 11 महीने पर नवीनीकरण हो रहा , शिक्षक को वेतन के अलावा अन्य कार्यों जैसे ट्यूशन , कोचिंग या मूल्यांकन से प्राप्त पारिश्रमिक का लालच है तो छात्र को कम पढ़कर ज्यादा नम्बर लाने का लालच है।लालच को हम एक अनिवार्य बुराई के रूप में अपने जीवन मे अपनाएं और स्वीकार करें।लालच की महिमा अपरम्पार है लालच के बिना ये ब्रह्मांड निरर्थक है।लालच बुराई तो है पर आवश्यक भी है इसलिए लालच बुरी बला नहीं लालच भली बला है।

डॉ रसिकेश नवजात
स्वतन्त्र स्तम्भकार
जौनपुर, उत्तर प्रदेश
9889115462
डॉ रसिकेश नवजात

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने एंटवर्प के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

नीरज

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत–बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग–अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत–बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है। सरकारीएजेंसियां खोजें लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत–बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है। इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत–यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत–ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू–राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत–ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन–केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है। बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया–बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट–ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत–बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक–दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके अलावा, भारत–बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह–विकास और सह–उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया। साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत

एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है। इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा। साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो–एनर्जी और पंप्ड स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करता जीएसएलवी-एफ17 का प्रक्षेपण

प्रोफेसर

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही जीएसएलवी–एफ 17 लॉन्च करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। यह मिशन अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस–05 (जिसे पहले जीआई सैट–1ए कहा जाता था) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। ईओएस–05 एक अत्याधुनिक इमेजिंग सैटेलाइट है

जिसे आपदाओं के समय तेजी से तस्वीरें लेने के लिए बनाया गया है। इसरो ने ही इस स्पेसक्राफ्ट को विकसित किया है और इसका लॉन्च के समय वजन 2,367 किलोग्राम होगा। ईओएस–05ध्जीआई सैट–1ए उस कमी को पूरा करेगा जो 2021 में ईओएस–03ध्जीआई सैट–1 के लॉन्च में आई रुकावट के कारण पैदा हुई थी। जीएसएलवी–एफ 10 मिशन इसके क्रायोजेनिक अपर स्टेज में तकनीकी खराबी के कारण विफल हो गया था। हालांकि लिफ्ट–ऑफ के बाद पहला और दूसरा स्टेज सामान्य रूप से काम कर रहे थे, लेकिन तीसरे स्टेज का क्रायोजेनिक इंजन चालू नहीं हो पाया, जिससे ईओएस–03 सैटेलाइट का नुकसान हो गया। इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन के अनुसार, ईओएस–05 सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर स्थित होकर पूरे देश की लगातार निगरानी करेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लगातार दो विफलताओं के बाद, इसरो अपने अगले लॉन्च के लिए तैयार है। यह सैटेलाइट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे कोई पर्यवेक्षक ऊँची जगह से पूरे गाँव पर नजर रखता है। डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो की योजना मार्च 2027 तक सात रॉकेट लॉन्च करने की है, जिसमें गगनयान मिशन (जीआई मिशन) की पहली बिना क्रू वाली उड़ान भी शामिल है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए, इसरो का लक्ष्य 12 सैटेलाइट बनाना और आठ रॉकेट लॉन्च करना है। ये मिशन संचार, नेविगेशन, पृथ्वी की निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान को बेहतर बनाएंगे, साथ ही भविष्य में मानव अंतरिक्ष उड़ान और खोज के लिए आधार भी तैयार करेंगे। इसरो, जीएसएलवी–एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2रू55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी–एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया। यह मिशन एक अहम चरण में पहुँच गया है, क्योंकि रॉकेट को टेक–ऑफ से पहले व्हीकल इंटीग्रेशन सेंटर (वीआईसी) से लॉन्च पैड पर ले जाया गया है। यह मिशन ईओएस–05 ळम्व इमेजिंग सैटेलाइट (जीआई सैट–1ए) को सब–जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में भेजेगा। इस ऑर्बिट का पेरिगी (पृथ्वी के सबसे करीब का बिंदु) 170 किमी और एपोजी (सबसे दूर का बिंदु) 28,934 किमी होगा। 2025 और 2026 की शुरुआत में लगातार दो पीएसएलवी मिशन फेल होने के बाद, इस मिशन पर बारीकी से नजर रखी जाएगी और इसके हर पहलू की विस्तार से जांच की जाएगी। इसरो पिछले आठ महीनों में कोई सफल रॉकेट लॉन्च नहीं कर पाया है, लेकिन अब एजेंसी एक बड़ी वापसी के लिए तैयार है। रने का एक अहम मौका बन गया है। उम्मीद है कि यह सैटेलाइट भारत की पृथ्वी की निगरानी, इमेजिंग और डेटा–आधारित गतिविधियों को बेहतर बनाएगा। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष–आधारित पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं में एक बड़ी प्रगति है और इससे और भी एडवांस्ड सैटेलाइट सिस्टम के विकास में मदद मिलेगी। ईओएस–05 एक पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारतीय उपमहाद्वीप और आसपास के क्षेत्रों की लगभग रियल–टाइम, हाई–टेम्पोरल–रिजॉल्यूशन वाली इमेजिंग करने के लिए डिजाइन किया गया है। ईओएस–05 के मुख्य उद्देश्य साफ मौसम (बिना बादलों के) में बार–बार और बड़े इलाके की निगरानी करने पर केंद्रित हैं। सैटेलाइट की मुख्य क्षमताओं और लक्ष्यों में ये शामिल हैंरू ईओएस–05 विजिबलध् नियर–इन्फ्रारेड और शॉर्ट–वेव इन्फ्रारेड बैंड में मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज लेता है। यह लगभग हर पाँच मिनट में चुनिंदा क्षेत्रों और हर तीस मिनट में पूरे भारतीय भू–भाग की इमेज लेता है, और मल्टीस्पेक्ट्रल मोड में लगभग 42 मीटर का स्थानिक रिजॉल्यूशन (स्पेशियल रिजॉल्यूशन) हासिल करता है। यह सैटेलाइट पृथ्वी के घूमने के साथ एक निश्चित स्थिति बनाए रखते हुए, लगभग 36,000 किमी की जियोसिंक्रोनस ऊंचाई से लगातार निगरानी करने में सक्षम बनाता है। यह कॉन्फिगरेशन एक ही बड़े इलाके को लगातार या लगभग लगातार कवर करता है, जबकि लो–अर्थ–ऑर्बिट इमेजिंग सैटेलाइट्स कुछ खास जगहों के ऊपर से केवल कभी–कभी ही गुजरते हैं। (प) प्राकृतिक आपदाओं और अचानक होने वाली घटनाओं, जैसे चक्रवात, बाढ़, जंगल की आग, बादल फटने और आंधी–तूफान के लिए तेजी से निगरानी और समय रहते चेतावनी देना। खेती, वानिकी और प्राकृतिक संसाधनों का आकलन, जिसमें फसल की स्थिति, पेड़–पौधों की सेहत और जल निकायों की निगरानी शामिल है। रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निगरानी, जिसमें राष्ट्रीय सीमाओं जैसे महत्वपूर्ण इलाकों पर लगातार नजर रखना शामिल है। जीएसएलवी–एफ 17 मिशन इसरो का कुल मिलाकर 103वां और 2026 का दूसरा मिशन है। यह जीएसएलवी मार्क प और पप के लिए 19वां और साल का पहला मिशन है। जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एक एक्सपेंडेबल लॉन्च सिस्टम है, जो जीएसएलवी मार्क पपप से अलग है। जीएसएलवी मार्क–I में रूसी क्रायोजेनिक स्टेज का इस्तेमाल किया गया है, जबकि मार्क–II में भारत में बना अपर स्टेज इस्तेमाल होता हैय तीसरे स्टेज को छोड़कर दोनों वर्शन का कॉन्फिगरेशन एक जैसा है। यह व्हीकल पीएसएलवी के भरोसेमंद पार्ट्स जैसे S125/S139 सॉलिड रॉकेट बूस्टर और विकास इंजन का इस्तेमाल करता है। 18 लॉन्च में से जीएसएलवी को 12 बार सफलता मिली है, जबकि चार बार पूरी तरह और दो बार आंशिक रूप से असफलता का सामना करना पड़ा है, जिससे इसकी सफलता दर 72. 2% रही है। 2010 से ऑपरेशनल जीएसएलवी मार्क–पप की लागत +47 मिलियन है। इसकी ऊंचाई 51.7 मीटर है, जो मार्क–प की 49.13 मीटर की ऊंचाई से ज़्यादा है। यह रॉकेट लो अर्थ ऑर्बिट में 5,000 किलोग्राम तक और जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में 2,500 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम है, जो इसके पिछले वर्शन की तुलना में लगभग 1,000 किलोग्राम ज़्यादा है। यह 7,887 किलोन्यूटन का थ्रस्ट देता है और तीन स्टेज में काम करता है। पीएसएलवी रॉकेट की लगातार दो असफलताओं के बाद, इसरो अपने अगले लॉन्च के लिए तैयार है। तकनीकी उद्देश्यों के अलावा, एक सफल मिशन इसरो टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ाएगा और जनता का भरोसा भी मजबूत करेगा। उम्मीद है कि यह सैटेलाइट कई तरह के कामों में मदद करेगा, जैसे मौसम की जानकारी, आपदा की निगरानी (खासकर बाढ़, चक्रवात और जंगल की आग), खेती, वानिकी, और रणनीतिक व राष्ट्रीय सुरक्षा की निगरानी।

पंजाब में अनाज घोटाले की गूंज

उमेश

आम आदमी पार्टी के गठन का प्रमुख उद्देश्य भ्रष्टाचार से राजनीति को मुक्त करके उसमें शुचिता लाना था। लेकिन क्या आम आदमी पार्टी इस उद्देश्य में सफल रही। पंजाब सरकार पर काबिज आम आदमी पार्टी के रवैये से तो ऐसा नहीं दिख रहा। बल्कि वह पिछली कांग्रेसी सरकार के भ्रष्टाचार की धारा को ही आगे बढ़ाती दिख रही है। यह कहना है कि राज्य के अनाज आपूर्ति घोटाले के व्हिसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का। गुरप्रीत सिंह का आरोप है कि इन घोटालों से राज्य को हजारों करोड़ का चूना लगा है। इससे हुई कमाई की बंदरबाट राज्य के मंत्रियों और ताकतवर अफसरों के बीच हुई है। बीते अप्रैल में राज्य के बीजेपी प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी पंजाब सरकार पर आरोप लगाया था कि अनाज रखने वाली बोरियों की खरीद में भारी घोटाला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य में 22 रूपए की दर से बोरी मिल रही थी, लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार ने उसे तकरीबन दोगुने यानी 43 रूपए 89 पैसे की दर से खरीदा। इस घोटाले की उन्होंने जांच की मांग की थी। हालांकि बीजेपी अभी चुप है, लेकिन आने वाले दिनों में उसकी चुप्पी टूट सकती है। दिल्ली के शराब घोटाले की तर्ज पर उसकी पंजाब सरकार पर अनाज खरीद घोटाले के आरोप लग रहे हैं। वैसे आरोप पुरानी कांग्रेस सरकार पर लगे थे। राज्य में नई सरकार आने के बाद आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी थी कि इसे रोके और उचित कानूनी उपाय करे। लेकिन जिस तरह से इस मामले की अनदेखी राज्य की मौजूदा सरकार कर रही है, उससे लगता नहीं कि वह इस मामले में ईमानदार है। ह्विसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का कहना है कि इस सिलसिले में वे अधिकारियों और मंत्रियों से कई बार मिले, लेकिन बात कहीं से आगे बढ़ती नहीं दिख रही। राज्य में विधानसभा के चुनाव की उलटी गिनती शुरू होने में देर है। लेकिन जिस तरह अनाज घोटाले को लेकर पंजाब की सरकार को घेरने की कोशिश हो रही है, उसके संकेत साफ हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब की भगवंत मान सरकार के लिए इसका जवाब देना आसान नहीं होगा। फिलहाल इस मुद्दे को राज्य के विपक्षी दल तूल देते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन इसकी गारंटी नहीं है कि आने वाले दिनों में, जब राज्य के विधानसभा चुनाव सिर पर होंगे, विपक्षी दल इस मामले में चुप बैठेंगे। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब की ख्याति खेती–किसानी के लिए रही है। यहां की करीब तीन चौथाई आबादी सीधे या फिर परोक्ष रूप से खेती–किसानी से जुड़ी हुई है। जाहिर है कि यहां के लोगों के लिए खेती–किसानी ना सिर्फ जीवन रेखा है, बल्कि भावनात्मक मुद्दा भी है। इसलिए आने वाले दिनों में अगर अनाज घोटाले की तासीर बढ़ने लगे तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पंजाब के कृषि उपज घोटाले के तार पिछली कांग्रेस सरकार से जुड़ते हैं। कांग्रेस की सरकार रहते राज्य के खाद्य और आपूर्ति विभाग से जुड़ी निविदाओं में जमकर धांधली हुई थी। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद राज्य के विजिलेंस विभाग ने साल 2022 में लुधियाना में एफआईआर दर्ज की थी। इसकी जांच के दौरान कांग्रेसी सरकार के मंत्री रहे भारत भूषण आशु, ठेकेदार तेलू राम समेत खाद्य और आपूर्ति विभाग के कई अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। इसी मामले के एक आरोपी जूनियर अधिकारी राकेश सिंगला भगोड़ा घोषित हो चुका है और उसके लिए सीबीआई ने रेड कार्नर नोटिस जारी कर रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार पर अनाज घोटाले का आरोप कैसे चस्पा हो रहा है। राज्य को भ्रष्टाचार और नशा मुक्त करने के नारे के साथ सत्ता में आई पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दरअसल इस भगोड़े अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही है। अव्वल तो होना चाहिए कि टेंडर घोटाले की जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होती, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। बल्कि इसकी कड़ी आगे जुड़ती जा रही है। लुधियाना में दर्ज मामले के व्हिसल ब्लोर गुरप्रीत सिंह हैं। उनका आरोप है कि नई सरकार के आने के बाद कहां तक घोटाला रूकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दरअसल पंजाब में कृषि उपज की खरीद भारत सरकार के खाद्य निगम के लिए पंजाब सरकार करती है। इसके लिए उसे प्रति क्विंटल कमीशन मिलता है। असल गड़बड़ी यहीं हैं। गुरप्रीत सिंह का कहना है कि दरअसल असल खरीद कुछ और हो रही है और कागजों पर कुछ और दिखाया जा रहा है। चूंकि हर साल केंद्र सरकार खरीद के लिए निश्चित रकम राज्य को देती है, लिहाजा उसका हर साल वह हिसाब–किताब भी मांगती है। लेकिन दिलचस्प यह है कि साल 2017 में कांग्रेस के सत्ता में आने से लेकर 2022 में आई मान सरकार ने इस बारे में केंद्र को ठीक से हिसाब नहीं दिया है। इसकी वजह से केंद्र सरकार द्वारा इन वर्षों में राज्य को मिले 31 हजार करोड़ रूपए को केंद्र सरकार ने राज्य को कर्ज घोषित कर दिया है। इस कर्ज के एवज में पंजाब सरकार को इसकी दोगुनी रकम चुकानी पड़ेगी। गुरप्रीत सिंह का आरोप है। कि कोविड महामारी के बहाने पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश से

अनाज की खरीद की गई। इसके लिए करीब साढ़े छह हजार करोड़ की बोगस बिलिंग की गई। फर्जी खरीद बाद में भी हुई। पंजाब में साल 2025 में भारी बाढ़ आई। इस दौरान राज्य में जितने अनाज की पैदावार नहीं हुई, उसकी तुलना में ज्यादा अनाज की राज्य में खरीद की गई। गुरप्रीत सिंह के मुताबिक, इस बार भी पिछले साल यानी 2024 जितने अनाज की खरीद दिखाई गई। दिलचस्प है कि साल 2022 में आपूर्ति घोटाले का मामला दर्ज होने के बाद इस बारे में राज्य सरकार ने खरीददारी की नई नीतियां बनाईं। राज्य ने लेबर कार्टेज एंड ट्रांसपोर्ट पालिसी बनाई। नई नीति की वजह से इस साल राज्य को करीब दो सौ करोड़ का फायदा हुआ। लेकिन अधिकारियों को यह रास नहीं आया, क्योंकि इसमें उनकी कमाई नहीं रही। फिर उन्होंने मिलीभगत करके इस नीति को साल 2024 में बदलकर तकरीबन पुरानी जैसी ही कर दिया। इसकी वजह से राज्य को अनाज खरीद में सालाना सौ करोड़ की चपत लग रही है। पंजाब की मान सरकार पर आरोप लगा है कि साल 2024 में उसने खरीद के लिए टेंडरों में भी हेरफेर किया। गुरप्रीत का आरोप है कि इसके जरिए कुछ चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया गया और उनसे मिली रकम का दिल्ली के 2025 विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल किया गया। गुरप्रीत सिंह ने इन सब घोटालों को लेकर सीबीआई की चंडीगढ़ यूनिट से शिकायत करके जांच की मांग की है। हालांकि सीबीआई के हाथ इस सिलसिले में बंधे हैं। क्योंकि इंडी गठबंधन में शामिल सरकारों ने अपने राज्यों में सीबीआई को जांच करने के अधिकार को वापस ले लिया था।

नगर के बीच कूड़े का ढेर खोल रहा सफाई अभियान की पोल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर को साफ–सुथरा रखने के लिए नगर पालिका परिषद की ओर से लगातार स्वच्छता और सफाई अभियान चलाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन नगर के बीचोंबीच लगा कूड़े का ढेर इन दावों की हकीकत बयां कर रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास जगह–जगह कूड़ा जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर के मध्य एक स्थान मछली शहर पड़ाव, रामाश्रम कालोनी, रूहट्टा काली कुट्टी पॉलिटेक्निक चौराहा,पर लंबे समय से कूड़े का अंबार लगा हुआ है। आसपास से गुजरने वाले लोगों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। कूड़े के ढेर पर आवारा पशुओं का जमावड़ा भी लगा रहता है, जिससे स्थिति और खराब हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होने से कूड़ा बढ़ता जा रहा है। बरसात के मौसम में गीला कूड़ा और जलभराव लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। नगर पालिका परिषद की ओर से समय–समय पर विशेष सफाई अभियान चलाकर शहर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया जाता है। इसके बावजूद मुख्य शहर में ही कूड़े का ढेर नजर आना अभियान की निगरानी और जमीनी स्तर पर सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाईकर्मियों की नियमित तैनाती और कूड़ा उठाने की व्यवस्था प्रभावी तरीके से लागू हो तो सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से कूड़े के ढेर को तत्काल हटाने और नियमित सफाई कराने की मांग की है। स्वच्छता को लेकर देशभर में चलाए जा रहे अभियान के बीच शहर के प्रमुख स्थानों पर गंदगी का बने रहना जिम्मेदार अधिकारियों के लिए भी चिंता का विषय है। लोगों का कहना है कि केवल अभियान चलाने के बजाय नियमित निगरानी और समय पर कूड़ा उठान सुनिश्चित करना जरूरी है। वही इस मामले में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने बताया कि आज रविवार छुट्टी का दिन है इसलिए कुडो को उठाने में देरी हुई है जल्दी ही सफाई कर्मचारी लगाकर नगर में जहां–जहां कूड़े एकत्रित है सबको उठाया जा रहा है।

डीएम ने कचगांव में विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण, ठेकेदार को नोटिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने रविवार को नगर पंचायत कचगांव में विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसी रोड, सीसी नाला, डिजिटल लाइब्रेरी और पेयजल योजना के कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

सीएमवाई योजना के तहत गोल कोठी के पास संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए जिलाधि ाकारी ने विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित करने, स्टाफ की नियुक्ति कर लाइब्रेरी को शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। माधोपट्टी गेट के पास बनी लाइब्रेरी में खिड़की की फिटिंग दुरुस्त कराने और चारों ओर बाउंड्रीवाल बनवाने को कहा। विद्यार्थियों की सुविध ाा के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी बेहतर करने के निर्देश दिए। जिलाधि ाकारी ने मझलेपुरा नाला निर्माण और घरों के कनेक्शन की समीक्षा की। उन्होंने सभी घरों को नाली से जोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। माधोपट्टी में सीसी रोड के निरीक्षण के दौरान कार्य में कमी मिलने पर ठेकेदार को नोटिस जारी करने और अंतिम बिल से कटौती करने के निर्देश दिए। पेयजल योजना के तहत सभी रिबोर कार्यों की जीपीएस फोटो के साथ रिपोर्ट उपलब्ध ा कराने को कहा। अन्य नालों को भी सीसी के माध्यम से बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी होने चाहिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अंबष्ठ, अधिशासी अधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विहिप का प्रमुख उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना और समाज की सेवा करना - प्रो आर एन त्रिपाठी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ,विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का स्थापना दिवस रविवार को नगर के केरारवीर बाबा मंदिर परिसर में धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता बीएचयू के समाजशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना वर्ष 1964 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर संत समाज के नेतृत्व में हुई थी। विहिप का प्रमुख उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना और समाज की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मसशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवा परियोजनाओं के माध्यम से संगठन समाज की जड़ों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। विहिप के विवाह मंत्री समर बहादुर सिंह ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन और हिंदू समाज में एकता एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए संगठन लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि, श्री अमरनाथ यात्रा, श्रीरामसेतु, गंगा एवं गौ रक्षा, मठ–मंदिरों से जुड़े मुद्दों तथा धर्मांतरण और घुसपैठ जैसे विषयों पर विहिप लगातार आवाज उठाती रही है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदायों के धर्माचार्यों को एक मंच पर लाना विहिप की प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। कार्यक्रम का संचालन विभाग समरसता प्रमुख कमलापति तिवारी ने किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने की। इस अवसर पर प्रांत नैतिक शिक्षा प्रमुख उदयराज सिंह, बजरंग दल जिला केंद्र प्रमुख आशुतोष सिंह, जिला संयोजक गणेश मोदनवाल, शिवम अग्रहरी, कुबेर कुशवाहा, विशाल मोदनवाल, जय नारायण सिंह, आशीष मिश्रा, ज्ञान प्रकाश सिंह, डॉ. तेज सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, डॉ. अमरनाथ पांडेय, उर्वशी सिंह, अंजना सिंह, सुधीर साहू, बृजेश सिंह , दीपक श्रीवास्तव,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ा रामसूरत मौर्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जिला मंत्री सुनील मौर्य ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

विद्यार्थी केंद्र में, उत्कृष्टता लक्ष्यय नए संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा पीयू – कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से अपने समय का अधिकतम उपयोग सार्थक शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधि ायों में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की सभी शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों के केंद्र में हैं। विश्वविद्यालय का प्रत्येक प्रयास उनके ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व, व्यावसायिक विकास और रोजगार क्षमता को बेहतर बनाने की दिशा में केंद्रित है। कुलपति ने विद्यार्थियों से नियमित कक्षाओं में उपस्थित रहने के साथ प्रयोगशाला एवं प्रायोगिक कार्य, शिक्षकों के साथ शैक्षणिक संवाद, पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों के उपयोग के साथ परियोजनाओं, इंटर्नशिप, सेमिनार और कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने खेलकूद और अन्य सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी विद्यार्थियों को बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने को कहा। प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता और शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर की आईटी एवं नेटवर्किंग अवसंरचना को मजबूत करने के साथ वाई–फाई और डिजिटल कनेक्टिविटी बेहतर करने का कार्य भी शुरू किया गया है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण, अध्ययन एवं शोध संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को उपाधि ा प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें ज्ञान, व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और व्यावसायिक क्षमता से संपन्न बनाना है, ताकि उनके लिए बेहतर करियर और रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का विकास केवल प्रशासन और शिक्षकों के प्रयासों से संभव नहीं है। इसमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने शैक्षणिक, शोध, नवाचार, कौशल विकास, खेलकूद, सांस्कृतिक और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से परिसर में शैक्षणिक अनुशासन, नियमितता, स्वच्छता और सकारात्मक अध्ययन वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने तथा विश्वविद्यालय की सुविधाओं और संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की अपील की।

बदलते मौसम में बीमारियों का प्रहार - विष विज्ञान के आइने में आज का जनपदोद्ध्वंस डॉ. संकल्प सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बदलते मौसम में बीमारियों का प्रहार विष विज्ञान के आइने में आज का जनपदोद्ध्वंस विषय पर डॉ. संकल्प सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, अगद तंत्र विभाग) गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, लखनऊ ने बताया कि असमय बारिश, वायु प्रदूषण और दूषित जल केवल मौसम की मार नहीं, बल्कि आयुर्वेद में वर्णित श्दूषी विषश हैं। जानिए प्राचीन विष विज्ञान आज की स्वास्थ्य चुनौतियों का क्या समाधान देता है। आज का मौसम जिस तेजी से करवट बदल रहा हैकृकभी उमस, कभी अचानक मूसलाधार बारिश तो कभी जहरीले स्मॉग की चादरकृवह केवल हमारे दैनिक जीवन को ही प्रभावित नहीं कर रहा, बल्कि हमारे शरीर को आंतरिक रूप से बीमार बना रहा है। इस मौसम में वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया, त्वचा रोग और पेट के संक्रमणों की बाढ़ आ गई है। जब हम आज के इस दृश्य को देखते हैं, तो सहसा हमें अष्टांग आयुर्वेद की महत्वपूर्ण शाखा अगद तंत्र की याद आती है। प्राचीन ऋषियों का यह विज्ञान आज के क्लाइमेट चेंज और उससे उपजी स्वास्थ्य आपदाओं को समझने का सबसे बड़ा जरिया है। अगद तंत्र का शाब्दिक अर्थ हैकृ वह विज्ञान जो शरीर को श्गदश यानी रोग और शविषश से मुक्त करे। सदियों पहले सजीव, निर्जीव और कृत्रिम विषों के प्रभाव को बेअसर करने के लिए इस विधा को विकसित किया गया था। लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में इसका दायरा केवल सांप या बिच्छू के काटने तक सीमित नहीं है। आज हमारे चारों तरफ हवा में घुला धुआं, पानी में मौजूद हैवी मेटल्स और फसलों पर छिड़के जाने वाले कीटनाशक मिलकर हमारे शरीर में श्दूषी विषश (ब्नउनसंजपअम ज्वगपबपजल) जमा कर रहे हैं। आयुर्वेद के महान ग्रंथों में पर्यावरण की इस सामूहिक तबाही को "जनपदोद्ध्वंस" कहा गया है, जिसके चार मुख्य कारक हैंकृवायु, जल, देश (भूमि) और काल (मौसम)। जब ये चारों तत्व दूषित हो जाते हैं, तो वह किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे समाज को सामूहिक रूप से बीमार करते हैं। आज मौसम (काल) का चक्र बिगड़ने से हवा और पानी एक साथ दूषित हो चुके हैं, जो जनपदोद्ध्वंस का जीवंत उदाहरण है। अगद तंत्र के सिद्धांत बताते हैं कि विष या टॉक्सिन्स सबसे पहले हमारे रक्त (ठसववक) को दूषित करते हैं और फिर शरीर के त्रिदोष (वात–पित्त–कफ) का संतुलन बिगाड़ देते हैं। इस मौसम में वातावरण में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस (जिन्हें अगद तंत्र में श्जंगम विषश के सूक्ष्म रूप की तरह देखा जा सकता है) तेजी से पनपते हैं।

इस ऋतु–परिवर्तन और जनपदोद्ध्वंस जैसी स्थिति से बचने के लिए अगद तंत्र और आयुर्वेद हमें तीन महत्वपूर्ण उपाय सुझाते हैंरू

शोधन चिकित्सा – शरीर में ध ीरे–धीरे जमा हो रहे पर्यावरणीय विषों को बाहर निकालने के लिए पंचकर्म और सही खान–पान की मदद लेना।

विषघ्न औषधियां– इस मौसम में रोज नीम, गिलोय (गुडूची), हल्दी, सोंठ और तुलसी जैसी प्राकृतिक जड़ी–बूटियों का सेवन, जो रक्त को साफ करती हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती हैं।

ऋतुचर्या का पालर्न– मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या और आहार को बदलना। असमय हो रही बारिश के इस दौर में बासी भोजन से बचना और उबला हुआ गुनगुना पानी पीना सबसे सरल अगद(रक्षक) है।

आज यह संदेश जन–जन तक पहुंचना जरूरी है कि आधुनिक चिकित्सा जहां रोग के लक्षणों का इलाज करती है, वहीं अगद तंत्र हमें सिखाता है कि पर्यावरण के जहरीले प्रभावों से खुद को आंतरिक रूप से कैसे सुरक्षित रखा जाए। जब तक हम अपनी भूमि, जल और वायु को शुद्ध नहीं करेंगे, तब तक महामारियों का यह चक्र थमेगा नहीं। प्रकृति को विषमुक्त रखना ही मानव जाति को दीर्घायु बनाने का एकमात्र मंत्र है।

विशेष

अगद तंत्र के अनुसार इस मौसम के 5 रक्षा–कवच

1. गिलोय (गुडूची)– इसे आयुर्वेद में सर्वश्रेष्ठ विषन और श्ज्वरनाशकश माना गया है। इस मौसम में इसके काढ़े या जूस का सेवन मच्छरों से होने वाले बुखार (डेंगूध्मलेरिया) और संक्रमण से रक्त की रक्षा करता है।

2. नीम और हल्दीरू यह दोनों जड़ी–बूटियां श्एंटी–टॉक्सिकश (विष नाशक) और ब्लड प्यूरीफायर हैं। असमय बारिश और नमी के कारण होने वाले त्वचा रोगों (स्किन एलर्जी) से बचने के लिए इनका दैनिक प्रयोग बेहद कारगर है।

3. .गुनगुना पानी (उष्णोदक)– आगद तंत्र के अनुसार, दूषित जल इस मौसम का सबसे बड़ा विष है। पानी को उबालकर गुनगुना पीना पाचन तंत्र को मजबूत रखता है और जल जनित संक्रमणों को मारता है।

4. तुलसी और सोंठ– कफ और वात दोष को संतुलित करने के लिए तुलसी के पत्तों और सूखी अदरक (सोंठ) की चाय पिएं। यह वायु प्रदूषण और मौसम के बदलाव से होने वाले श्वसन तंत्र के संक्रमण को रोकती है।

5. ताजा और लघु (हल्का) आहार– इस मौसम में जठराग्नि (पाचन शक्ति) मंद हो जाती है, जिससे भोजन शरीर में श्आम रसश बनाता है। इसलिए बासी भोजन, फास्ट फूड और भारी खाने से बचें, केवल ताजा और सुपाच्य भोजन ही लें।

'एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को डुओलिंगो देगा 12 महीने का सुपर सब्सक्रिप्शन'

'लखनऊ।' दुनिया के अग्रणी मोबाइल लर्निंग प्लेटफॉर्म डुओलिंगो ने भारत के सबसे बड़े दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 12 महीने तक सुपर डुओलिंगो का लाभ मिलेगा। डुओलिंगो दुनिया का सबसे लोकप्रिय भाषा सीखने का प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य दुनिया की बेहतरीन शिक्षा विकसित करना और उसे सभी के लिए सुलभ बनाना है। इसका भाषा सीखने वाला ऐप 40 से अधिक भाषाओं में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। छोटे–छोटे पाठों, गेमिफिकेशन, व्यक्तिगत सीखने और एआई–संचालित सुविधाओं के माध्यम से यह भाषा सीखने को रोचक, सुलभ और प्रभावी बनाता है। डुओलिंगो पर उपयोगकर्ता शतरंज, गणित और संगीत भी सीख सकते हैं। इस साझेदारी से एयरटेल के ग्राहक डुओलिंगो के प्रीमियम, विज्ञापन–मुक्त सीखने के अनुभव का लाभ उठा सकेंगे। इसके तहत उन्हें अनलिमिटेड एनर्जी, एआई की मदद से रीयल–टाइम बोलने का अभ्यास, उनकी जरूरतों के अनुरूप अभ्यास और अपनी गलतियों की समीक्षा करने जैसी सुविधाएं मिलेंगी। भाषा कौशल आज शिक्षा, करियर और वैश्विक अवसरों तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनते जा रहे हैं। इस साझेदारी के माध्यम से एयरटेल अपने ग्राहकों तक एक उच्च गुणवत्ता वाला डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पहुंचाकर उन्हें बेहतर और विशिष्ट अनुभव देने की दिशा में एक और कदम बढ़ा रहा है। यह सुविधा ग्राहकों को आसान और रोचक तरीके से अपनी भाषा कौशल विकसित करने तथा नियमित रूप से सीखने की आदत बनाने का अवसर देती है। सुपर डुओलिंगो की सदस्यता एयरटेल के मोबाइल, वाई–फाई और डीटीएच ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। ग्राहक एयरटेल ऐप के माध्यम से इस ऑफर का लाभ उठा सकेंगे और इसके लिए किसी क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए डुओलिंगो इंडिया में बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख राशि धनानी ने कहा, ष्भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। छात्रों, पेशेवरों और तेजी से वैश्विक होते कार्यबल की जरूरतों के कारण भाषा सीखने की मांग लगातार बढ़ रही है। भाषा सीखना सभी के लिए सुलभ, रोचक और ऐसा होना चाहिए जिसे लोग आसानी से अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना सकें। एयरटेल के साथ हमारी साझेदारी सुपर डुओलिंगो को और अधिक लोगों तक पहुंचाएगी। इससे देश भर के शिक्षार्थियों को बेहतर सीखने का अनुभव मिलेगा, साथ ही उन्हें मोटिवेटेड रहने और लगातार प्रगति करने के अधिक अवसर मिलेंगे।ष सुपर डुओलिंगो, डुओलिंगो के मूल अनुभव को और बेहतर बनाता है। यह सीखने वालों को अभ्यास करने, अपनी सीख की समीक्षा करने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अधिक सुविधा और अवसर देता है। इसमें एआई आध ाारित बातचीत की सुविधा भी शामिल है, जिससे रीयल–टाइम बोलने का अभ्यास किया जा सकता है। नियमित अभ्यास और वास्तविक जीवन में भाषा के उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार की गई इन सुविधाओं के साथ सीखने वाले केवल पाठ पूरे करने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भाषा का सक्रिय रूप से उपयोग करने में अधिक समय बिता सकते हैं। डुओलिंगो भारतीय शिक्षार्थियों के लिए अपनी पेशकश का भी लगातार विस्तार कर रहा है। हाल ही में डुओलिंगो ने ष्पंजाबी के माध्यम से अंग्रेजी सीखेंष पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह भारतीय भाषा बोलने वालों के लिए उपलब्ध उसके बढ़ते पाठ्यक्रमों का हिस्सा है, जिनमें हिंदी, बांग्ला, तेलुगु, तमिल और उर्दू शामिल हैं। यह विस्तार भारत के विविध शिक्षार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर भाषा सीखने के अनुभव विकसित करने की डुओलिंगो की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों के लिए उस भाषा के माध्यम से सीखना आसान बनाना है, जिसमें वे सहज महसूस करते हैं। ग्राहकों को मिलने वाले लाभ मौजूदा सुपर डुओलिंगो सब्सक्रिप्शन के आधार पर बताए गए हैं और 1 वर्ष के लिए मान्य हैं। नियम व शर्तें लागू।

स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा से बचाव को लेकर मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जागरूकता अभियान, MBBS छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से दिया स्वास्थ्य संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमनाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा स्वाइन फ्लूध्इन्फ्लुएंजा के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से निरंतर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज परिसर में डठठै छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को इन्फ्लुएंजा के लक्षण, संक्रमण से बचाव तथा आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रभावी एवं सरल संवाद के जरिए बताया कि बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश, शरीर में दर्द एवं कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर सतर्क रहना आवश्यक है। विद्यार्थियों ने हाथों की नियमित सफाई, खांसते अथवा छींकते समय मुंह एवं नाक को ढकने, आवश्यकता के अनुसार मास्क का प्रयोग करने तथा संक्रमण के लक्षण होने पर दूसरों से उचित दूरी बनाए रखने का संदेश दिया।

नुक्कड़ नाटक के दौरान विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी अफवाहों से बचने, बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करने तथा लक्षण गंभीर होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को यह संदेश दिया कि जागरूकता एवं सावधानी के माध्यम से संक्रमण के प्रसार को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। 'प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने कहाकृ जागरूक नागरिक ही संक्रमण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं' महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने कहा कि संक्रामक रोगों की रोकथाम केवल चिकित्सा संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने डठठै विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किए जा रहे जनजागरूकता प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने ज्ञान एवं व्यवहार के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रभावी संदेश पहुंचा सकते हैं। प्राचार्य ने आमजन से अपील की कि इन्फ्लुएंजा से संबंधित किसी भी प्रकार की अपुष्ट सूचना अथवा अफवाह पर विश्वास न करें और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए विश्वसनीय चिकित्सा स्रोतों एवं योग्य चिकित्सकों पर भरोसा करें। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) ए.ए. जाफरी ने कहा कि मौसम में होने वाले परिवर्तन एवं वायरल संक्रमण के मामलों को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज के चिकित्सालय में मरीजों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मरीजों की समयबद्ध जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार सुनिश्चित करने के साथ–साथ आवश्यक दवाओं, जांच सुविधाओं एवं चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण दिखाई देने पर घबराने के बजाय समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वयं से दवा लेने से बचें। उन्होंने कहा कि संक्रमण की रोकथाम में व्यक्तिगत स्वच्छता, सावधानी एवं समय पर उपचार की महत्वपूर्ण भूमिका है।

'नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया संदेश'

'सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह' ने बताया कि जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत MBBS विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक को माध्यम बनाकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों को आमजन तक सरल भाषा में पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को समाज की स्वास्थ्य आवश्यकताओं से जोड़ने के साथ–साथ जनस्वास्थ्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को विशेष रूप से हाथों की स्वच्छता, श्वसन संबंधी शिष्टाचार, मास्क के उचित उपयोग, भीड़भाड़ वाले स्थानों में सावधानी तथा लक्षण होने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. आदर्श यादव, डॉ. मुदित चौहान, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. नितेश कुमार सहित चिकित्सा शिक्षक, डठठै छात्र–छात्राएं एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूडी कार्यालय की बाउंड्रीवॉल भरभराकर गिरी

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र में सदर तहसील के सामने स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय की बाउंड्रीवॉल सोमवार को अचानक भरभराकर गिर गई।दीवार के मलबे में दबकर एक मोटरसाइकिल मिस्त्री की मौत हो गई।हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।मृतक की पहचान मृतक रविंद्र गौड़ थाना कैंट क्षेत्र के सहादतगंज का रहने वाला था और वह सदर तहसील के सामने घटनास्थल पर मोटरसाइकिल मरम्मत का काम करता था।स्थानीय लोगों के मुताबिक पिछले कई दिनों से हुई बारिश के कारण बाउंड्रीवॉल के किनारे की जमीन दलदल में तब्दील हो गई थी।इसी वजह से दीवार की नींव कमजोर होने और उसके गिरने की आशंका जताई जा रही है।हालांकि हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।जिस स्थान पर बाउंड्रीवॉल गिरी, वहां अक्सर लोगों की भीड़ रहती है।जर्जर दीवार के पास चाय की एक दुकान लगती थी,जहां सदर तहसील आने वाले फरियादियों और कर्मचारियों के साथ ही सरकारी–गैर सरकारी कर्मचारी, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग और धरना–प्रदर्शन में शामिल लोग चाय पीने के लिए जुटते रहते हैं।यही पर धरना–प्रदर्शन के लिए एक स्थान भी है।गनीमत रही कि हादसे के समय चाय की दुकान बंद थी।यदि दुकान खुली होती और वहां लोगों की भीड़ मौजूद रहती तो हादसा और भी भयावह हो सकता था।बावजूद इसके एक व्यक्ति की जान चली जाने से इलाके में शोक का माहौल है।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा सहित अन्य अधिकारी में पहुंच कर जांच में जुट गए।

भदरसा चौकी को अपनी स्थाई चौकी का जन्म दे गए चौकी इंचार्ज कमलेश साहनी रच दिया इतिहास

अयोध्या। भदरसा चौकी इंचार्ज कमलेश साहनी का स्थानांतरण कर दिया गया।जिनका ट्रांसफर एक पुलिस प्रक्रिया के तहत किया गया कमलेश साहनी भदरसा चौकी की कमान उस समय सम्भाले थे।जब पुलिस विभाग और सरकार को समझ नहीं आ रहा था कि भदरसा में क्या होने वाला था।चारों तरफ तना तनी का माहौल ये कह सकते है कि बारूद के ढेर पर बैठा था भदरसा तब कमलेश साहनी ने बड़ी सूझ बूझ ने भदरसा जैसे संवेदनशील क्षेत्र को शांत कराया।जहां जरूरत पड़ी सख्ती की सख्त किया जहां जरूरत पड़ी समझाने की समझाया जहां जरूरत पड़ी कार्यवाही की वहां कार्यवाही की वही अपराधियों पर सख्ती एवं पीढ़ियों के साथ एक किला बनकर खड़े रहने वाले थे।चौकी इंचार्ज भदरसा कमलेश साहनी जहां भदरसा चौकी का अपना कोई स्थायी जगह नहीं थी दर बदर भटकने को मजबूर थी। भदरसा चौकी ऐसे में अधिकारियों से निवेदन कर भदरसा चौकी के लिए जमीन ली तो वही संभ्रांत लोगों से निवेदन कर लगभग 15 लाख से ऊपर के कीमत की चौकी का निर्माण भदरसा में ये जानते हुए कराया कि उन्हें उसमें रहने का मौका बहुत कम मिलेगा या नहीं मिलेगा निर्माण कराया और निर्माण के दौरान कई यातनाओं समस्याओं का सामना करना पड़ा।वही भदरसा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों जहां एक चिंगारी सब कुछ तबाह करने के लिया पर्याप्त होती है वहां के हिन्दू मुस्लिम के त्यौहार होली दीपावली ईद बकरीद जैसे त्योहारों को बड़ी कुशलता और शालीनता ने निपटाया था।चौकी कमलेश साहनी की क्षेत्र की जनता खुद तारीफ करती है उन्होंने कभी गरीब अमीर का फर्क नहीं देखा जो गलत था उसपर कार्यवाही की एक पैसे वाले व्यक्ति को घमंड हो गया था कि पुलिस उसका कुछ नहीं कर सकती है वह गरीबों की जमीनों पर बराबर कब्जा करने का प्रयास करता लेकिन कमलेश साहनी ने उसका चालान कर संविधान का पाठ पढ़ा दिया था।भदरसा चौकी की कमान कमलेश साहनी की जगह अब बीकापुर के दरोगा विजय तिवारी संभालेंगे लेकिन जो छाप पुलिस की और न्याय की कमलेश साहनी भदरसा में कर गए शायद उसकी पूर्ति कोई कर पाए।

मुख्यमंत्री की कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर डीएम सीडीओ सहित लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड 4 के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

अयोध्या। 8 सितंबर मंगलवार को सुबह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आंगनवाड़ी के सुपरवाइजर कार्यत्रियों सहायक कार्यत्रियों को सम्मानित करने के लिए शहर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आ रहे हैं।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आंगनबाड़ी योजनाओं से जुड़ी कई सौगात भी दे सकते हैं।बताते चले कि 2रू50 पर जीआईसी के मैदान पर बने अस्थाई हेलीपैड पर उनका उडन खटोला उतरेगा।जीआईसी में लगभग 4रू00 बजे तक वह मौजूद रहेंगे उसके बाद वह अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर से राम कथा पार्क हेलीपैड पहुंचेंगे और हनुमानगढ़ी प्रदर्शन पूजन करने के बाद राम जन्मभूमि मंदिर पर सभी जाएंगे।तत्पश्चात शाम 5रू00 बजे वह हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे इस दौरान खास कर जीआईसी में आयोजित आंगनबाड़ी सम्मान समारोह के दौरान किसी प्रकार की अशुद्धि ना उत्पन्न हो इसकी तैयारी पिछले एक सप्ताह से जोर–शोर से चल रही थी।वही बीच–बीच में तैयारी को लेकर जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी,सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड चार के अश्वासी अभियंता एस बी सिंह सहायक अभियंता सत्येंद्र सिंह सहायक अभियंता शशांक पांडे के अलावा जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी भी बीच–बीच में निरीक्षण करते हुए दिखाई दे रहे थे।इन अधिकारियों के अलावा सभी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तैयारी के यहां पर हो रहे तैयारी को अंतिम रूप देने में लगे थे। कार्यक्रम के दौरान शहर में तथा अयोध्या धाम में किसी भी तरह की यातायात बाधित न हो और शहर वासियों को आने–जाने में किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए 8 सितंबर को दोपहर 12रू30 बजे से रूट डायवर्जन किया गया है।इस संबंध में यातायात पुलिस विभाग नहीं बताया कि यह रूट डायवर्जन 8 सितंबर को दोपहर 12रू30 से कार्यक्रम के अंत तक या फिर जब तक भीड़ पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हो जाती तब तक रहेगा। बताते चलें 8 सितंबर को आने वाले महिला आंगन कर्मियों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके बड़े स्तर पर वॉटरप्रूफ टेंट का निर्माण कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और घर-घर पहुंचना होगा - संतोष सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सोमवार को मछलीशहर में सेवा संकल्प अभियान के तहत एक दिवसीय जिला कार्यशाला आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी संतोष सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव–गांव और घर–घर पहुंचना होगा। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को पूर्व की कांग्रेस सरकार और वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की तुलना जनता के सामने रखनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सरकार पेपर लीक होने की स्थिति में परीक्षा दोबारा कराती है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकारी और संविदा क्षेत्र को मिलाकर करीब नौ लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। कार्यशाला में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रस्तावित 13 कार्यक्रमों की रूपरेखा और उनके आयोजन की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी गई। जिला अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के विचारों और सरकार की योजनाओं को पूरी ईमानदारी से जनता तक पहुंचाना चाहिए। पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर, पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह, सुषमा पटेल, डॉ. अजय सिंह और मेही लाल गौतम ने भी विचार व्यक्त किए।

संचालन जिला महामंत्री अस्कंधा पटेल ने किया। इस अवसर पर अखिल प्रताप सिंह, धनंजय कश्यप, चंद प्रकाश सिंह, रिद्धिमा सिंह, संदीप सिंह, राजेश सिंह, रणविजय सिंह, रामचंद्र बिन्द, केपी मिश्रा और अभिषेक नारायण सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्रकार के के मिश्रा के ऊपर झूठी एफआईआर के विरोध में पत्रकार हुए लामबंद,एसएसपी को सौंपेंगे ज्ञापन

अयोध्या।इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में पत्रकार के के मिश्रा के ऊपर एफआईआर दर्ज को लेकर बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता आकाश सोनी जिला प्रभारी ने किया इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार के के मिश्रा पर बीकापुर विधायक के समर्थक द्वारा अनर्गल आरोप लगाकर कराई गई एफआईआर के विरोध में सर्व सम्मत से यह निर्णय लिया गया कि इस फर्जी एफआईआर के विरोध में पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस के प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में एसएसपी गौरव ग्रोवर से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा। ज्ञापन के माध्यम से मांग करेगा कि इस प्रकार से पत्रकारों के ऊपर की गई कार्यवाही से पत्रकारों को डराने की कोशिश न की जाए।और संबंधित वायरल वीडियो की जांच कराकर मीडिया के माध्यम से जनता को ये भी बताया जाये की संबंधित वायरल वीडीओ जिसमें एक इंस्पेक्टर स्तर का आदमी नजर आ रहा है।अधिकारियों द्वारा इस संबंध में विवेचक नियुक्त किया जाए और यह वीडियो किसके द्वारा बनाया गया।किसके द्वारा वायरल किया गया सभी विषयों पर निष्पक्ष जांच कर तब कार्यवाही की जाए अर्नगल एफआईआर दर्ज करके पत्रकारों को डराया ना जाए आने वाले समय में पत्रकार बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव,रूपेश श्रीवास्तव, समीर शाही,आकाश सोनी, सीएम श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव अज्जू,खालिद रशीद, अंतरिक्ष तिवारी, करन प्रजापति, नरेंद्र मिश्रा, गुलजार खान, करण दुबे, वैभव श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, राहुल मिश्रा,राजन सिंह, केके मिश्रा, राजेंद्र कुमार दूबे, राजेश श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र मिश्रा ,पंकज पाठक, सहित दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे।

सावरथिया सेवा सदन में दो दिवसीय अयोध्या वस्त्र महोत्सव का भव्य शुभारंभ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या के सावरथिया सेवा सदन में सोमवार व मंगलवार को दो दिवसीय अयोध्या वस्त्र महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ।7 और 8 सितंबर 2026 को आयोजित इस वस्त्र उत्सव का आयोजन अनन्या टेक्सटाइल्स एवं डीटी ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर दिनेश पांडेय की ओर से किया गया।महोत्सव का उद्घाटन कैसरगंज के पूर्व सांसद भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजभूषण शरण सिंह तथा सिद्धपीठ नाका हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत रामदास महाराज ने फीता काटकर किया।इस दौरान

मेहनौन विधायक विजय कुमार द्विवेदी तथा कामरेज, सूरत (गुजरात) के पूर्व विधायक वी.डी.जालवाडिया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों का व्यापारियों ने फूल–मालाओं से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।अयोध्या वस्त्र महोत्सव में सूरत की 35 से अधिक प्रमुख टेक्सटाइल कंपनियों के व्यापारी शामिल हुए हैं।यहां साड़ी, सूट, लहंगा, कुर्ता–पैंट सहित विभिन्न प्रकार के वस्त्रों के स्टॉल लगाए गए हैं। मां वरदान, कल्याण, संकल्प और ब्यूटी प्रिंट समेत कई नामचीन कंपनियों के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। महोत्सव के पहले ही दिन अयोध्या के अलावा बस्ती, बाराबंकी, अंबेडकरनगर, बलिया, वाराणसी और आजमगढ़ समेत कई जिलों से सैकड़ों की संख्या में व्यापारी पहुंचे। इससे आयोजन स्थल पर दिनभर व्यापारियों की काफी चहल–पहल रही।कार्यक्रम में विजय सिंह, आयोजनकर्ता दिनेश पांडेय, सूरत अड़तिया एसोसिएशन के प्रहलाद अग्रवाल तथा समाजसेवी सेवा फाउंडेशन के राजीव अमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक ही नहीं, राष्ट्र के भविष्य निर्माता भी हैं - डॉ.आर.एन. त्रिपाठी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब जौनपुर गोमती की ओर से रविवार की शाम होली चाइल्ड स्कूल रुहट्टा में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 11 शिक्षक–शिक्षिकाओं को अंगवस्त्रम एवं स्मृति–चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान ही प्रदान नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की उस परंपरा का सम्मान है, जो समाज को निरंतर आगे बढ़ाती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक कुमार सिंह रघुवंशी ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बदलते समय में शिक्षा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान देने के साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. जंग बहादुर सिंह प्रिंसिपल, डॉ. राजेश कुमार, नसीम अख्तर, प्रमोद कुमार सैनी, मोहम्मद अब्बास, प्रज्ञा मिश्रा, डॉ. सरला गुप्ता, किरण श्रीवास्तव, अर्चना गौड़ एवं डॉ. तसनीम फात्मा को अंगवस्त्रम एवं स्मृति–चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।पत्रकारिता के प्रवक्ता श्याम नारायण पांडेय को भी मुख्य अतिथि ने सम्मननित किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन सैय्यद हसनैन कमर 'दीपू' ने कहा कि शिक्षक समाज के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक हैं। उनके ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से ही देश का भविष्य आकार लेता है। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब जौनपुर गोमती सेवा कार्यों के साथ शिक्षा एवं शिक्षक सम्मान से जुड़े कार्यक्रमों को भी निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। क्लब के सचिव लायन नवीन मिश्रा ने कहा कि शिक्षक के योगदान को किसी सम्मान या पुरस्कार की सीमा में नहीं बांधा जा सकता। एक शिक्षक अपने ज्ञान से विद्यार्थियों को शिक्षित करता है, लेकिन अपने आचरण से उन्हें जीवन जीने की कला सिखाता है। उन्होंने कहा कि "एक अच्छा शिक्षक केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं संवारता, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाता है।" समारोह के संयोजक मनीष गुप्ता एवं संयोजिका नीलम सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में लायंस क्लब जौनपुर गोमती के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं जनपद के प्रतिष्ठित लोगों की सहभागिता रही।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जीआईसी की ओर रहेगा यातायात डायवर्जन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मुख्यमंत्री के 8 सितंबर को अयोध्या के जीआईसी मैदान में प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर शहर, अयोध्या धाम और रामपथ पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यातायात पुलिस की ओर से 8 सितंबर को दोपहर 12रू30 बजे से कार्यक्रम एवं भीड़ समाप्त होने तक विभिन्न मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान निर्धारित मार्गों पर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।सहादतगंज हनुमानगढ़ी चौराहे से रामपथ, पोस्ट ऑफिस तिराहे से पुलिस लाइन व रिकाबगंज तिराहे की ओर तथा पुलिस लाइन तिराहे से रामपथ और पुष्पराज की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।इसी तरह पुष्पराज चौराहे से जीआईसी की ओर, तहसील तिराहे से गुरु गोविंद सिंह चौक की ओर और गुरु गोविंद सिंह चौक (कैंट रेलवे स्टेशन) से पुराने भाजपा कार्यालय की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। अग्रसेन चौराहे, रामनगर तिराहे और बहू बेगम मकबरा तिराहे के आसपास भी यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। बहू बेगम मकबरा तिराहे से जीआईसी की ओर वाहनों को जाने की अनुमति नहीं होगी। रिकाबगंज चौराहे से कसाबबाड़ा एवं रामपथ की ओर, फतेहगंज चौराहे से जीआईसी की ओर तथा कसाबबाड़ा तिराहे से जीआईसी की ओर भी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ऋषिटोला तिराहा, मनूचा तिराहा, उदया फ्लाईओवर के नीचे रामपथ, बेनीगंज चौराहा, आंख अस्पताल तिराहा, गुदड़ी बाजार चौराहा और नियावां तिराहे से रामपथ की ओर भी सभी प्रकार के वाहनों का अयोध्या धाम क्षेत्र में हनुमान गुफा से लता मंगेशकर चौक की ओर तथा पुराने सरयू पुल से लता मंगेशकर चौक की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।सब्जी मंडी रोड से पोस्ट ऑफिस तिराहा होते हुए रामपथ, हनुमानगढ़ी चौराहा बैरियर से रामपथ और दंतधावन कुंड तिराहा बैरियर से रामपथ की ओर भी वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। इसके अलावा श्रीराम अस्पताल तिराहा से रामपथ, टेढ़ी बाजार चौराहा से रामपथ तथा रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग से रामपथ की ओर भी सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस के अनुसार यह सभी डायवर्जन आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर लागू रहेंगे। वाहन चालकों से अपील की गई है कि कार्यक्रम के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलने पर काकोरी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान उसकी जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर रईस अहमद पुत्र मकसूद अहमद, उम्र करीब 51 वर्ष, निवासी वली नगर, थाना काकोरी, लखनऊ के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 6रू45 बजे थाना कार्यालय को सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे लाइन के पोल संख्या 1086ध11–13 के पास एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही काकोरी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर रेलवे ट्रैक के मध्य एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। हादसा इतना गंभीर था कि मृतक का सिर धड़ से अलग हो गया था।पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद राजकीय रेलवे पुलिस तथा ट्रैकमैन की सहायता से शव के धड़ को रेलवे ट्रैक के किनारे सुरक्षित स्थान पर रखवाया। इसके बाद मृतक की पहचान के लिए तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जेब से आधार कार्ड प्राप्त हुआ, जिसके आधार पर मृतक की पहचान रईस अहमद के रूप में की गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद मृतक के पुत्र उस्मान मौके पर पहुंचे और उन्होंने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने शव को आवश्यक प्रक्रिया के तहत शव किट में रखवाया और एम्बुलेंस के माध्यम से लखनऊ स्थित मोर्चरी हाउस भेज दिया।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 एवं आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर को अधिकाधिक मामलों के निस्तारण हेतु नोडल अधिकारी लोक अदालत के साथ प्री-ट्रायल बैठक हुई आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिविल जज सी0डि0ध सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार सिंह के निर्देशन में आगामी 12 सितम्बर 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 के अन्तर्गत जनपद न्यायालय के न्यायालयों में लम्बित अधिकाधिक मामलों के निस्तारण के सम्बन्ध में विचार–विमर्श हेतु अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्नोडल अधिकारी लोक अदालत, जौनपुर रणजीत कुमार की अध्यक्षता एवं सिविल जज सी0डि0ध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार सिंह के संयोजन में 07 सितम्बर 2026 को श्री अनिल कुमार यादव–प्रथम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, जौनपुर एवं अपर जिलाधिकारी भू एवं0 राजस्व, नोडल अधिकारी (प्रशासन), जौनपुर, नोडल अधिकारी पुलिस प्रशासन, जौनपुर व सिविल जज सी0डि0 एवं सिविल जज जू0डि0 संवर्ग के अधिकारीगण के साथ प्री–ट्रायल बैठक आहूत की गयी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्नोडल अधिकारी लोक अदालत, जौनपुर रणजीत कुमार द्वारा बताया गया कि राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 का शुभारम्भ 01 अगस्त 2026 से दिसम्बर 2026 तक किया गया है। साथ ही आगामी 12 सितम्बर 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में राजस्व न्यायालयों एवं पुलिस प्रशासन द्वारा लोक अदालत हेतु नियत वादों के अधिकाधिक निस्तारण व प्री–लिटिगेशन स्तर पर आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद (विवाह विच्छेद सम्बन्धित वादों को छोड़कर), वैवाहिक प्री–लिटिगेशन वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति परिलाभां से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जाना है।

सिविल जज सी0डि0ध सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा बताया कि न्यायालयों में लम्बित वादों को राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 के अन्तर्गत अधिक से अधिक मामलों को मध्यस्थता केन्द्र में प्रेषित करें तथा राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर कम से कम दो बार नोटिस प्रेषित करने एवं शत प्रतिशत तामीला हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें। बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, जौनपुर अनिल कुमार यादव–प्रथम, अपर जिलाधिकारी भू एवं0 राजस्व, नोडल अधिकारी (प्रशासन), जौनपुर, नोडल अधिकारी पुलिस प्रशासन, जौनपुर व सिविल जज सी0डि0 एवं सिविल जज जू0डि0 संवर्ग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।